NBT PAGE 4

एलयू के हबीबुल्लाह हॉस्टल में लगी एनबीटी आरोग्य वाटिका, बोले विशेषज्ञ...

'पर्यावरण को अब लौटाने की बारी'

लखनऊ विवि के हबीबुल्लाह हॉस्टल में एनबीटी आरोग्य वाटिका कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

■ एनबीटी, लखनऊ

पर्यावरण से हमने सब कुछ लिया, लेकिन लौटाते कुछ नहीं हैं। इसका नतीजा है कि जब प्रकृति खुद को बैलेंस करने पर आई तो हम इंसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। असल में हमने धरती पर एकाधिकार जमा लिया है। जीव-जंतु, पेड़-पौधों के लिए जैसे कुछ छोड़ना ही नहीं चाहते हैं। अपनी और आगामी पीढ़ी को बेहतर वातावरण देना है तो पर्यावरण को सुधारना होगा। इसलिए अब पर्यावरण को लौटाने की बारी है। यह बात विशेषज्ञों ने शनिवार को एलयू के हबीबुल्लाह छात्रावास में एनबीटी आरोग्य वाटिका कार्यक्रम की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लखनऊ यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि एनबीटी की आरोग्य वाटिका मुहिम सराहनीय है। उन्होंने सभी को नए साल की शुभकामनाएं दीं।

NBT आरोग्यam

विवि के जिम्मेदारों ने भी पौधे लगाए

'स्वास्थ्य, पोषण और पर्यावरण बचाना है तो करें पौधरोपण'

सीमैप के वरिष्ठ वैज्ञानिक राकेश वर्मा ने बताया कि एनबीटी ने घरों से लेकर कॉलोनियों तक आरोग्य वाटिका को पहुंचाया। लोगों ने इसमें उत्साह दिखाया तो हम लोग उच्च शिक्षण संस्थानों में यह मुहिम ले आए हैं। कोरोना काल में हमें औषधीय पौधों की तरह बेहतर पर्यावरण की अहमियत पता चली। अब तक दुनिया में चीन ही मेंथॉल मिंट में पहले नंबर पर था, लेकिन सीमैप की वजह से मेंथॉल मिंट के उत्पादन में भारत पहले पायदान पर पहुंच गया है।

गीत के जरिए बताए पेड़ के फायदे

पर्यावरणविद् चंद्र भूषण तिवारी ने कहा कि लोगों को पौधे फ्री में देता हूं। देते समय यही कहता हूं कि यह पौधा नहीं, मेरी बेटी है। बड़े ही लाड प्यार में पली है। कोमल है नाजुक है। जानवर देखकर घबरा जाती है। गर्मी में इसे प्यास बहुत लगती है। दो साल पालेंगे तो पीढ़ियों को पालेगी। मेरी बेटी जिंदा रहती है तो फल-सब्जी और छाया देती है। इसे अपना बना लीजिए, मुझे अपना समधी बना लीजिए। मैं और मेरी बेटी (पौधा) हर सुख दुख में आपके साथ खड़े रहेंगे। इस दौरान पौधों से पेड़ बढ़ने तक के फायदे को चंद्र भूषण ने गीत के जरिए सुनाया।

किचन वेस्ट से खाद बनाना सिखाया

पर्यावरणविद् मेवालाल ने किचन और घर से निकलने वाले कचरे से खाद बनाने का तरीका बताया। उन्होंने कहा कि जमीन पर पौधरोपण होगा तो जमीन के नीचे पानी का स्तर भी बढ़ेगा। आब-ओ-हवा बेहतर होगी। एनबीटी के स्थानीय संपादक सुधीर मिश्र ने आरोग्य वाटिका अभियान की जानकारी दी। इस दौरान कुलसचिव डॉ. विनोद सिंह, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, छात्रावास के प्रोवोस्ट डॉ.महेन्द्र अग्निहोत्री, महमूदाबाद छात्रावास के प्रो. ओपी शुक्ला, एलयू प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, गार्डन इंचार्ज डॉ. देश दीपक, मुख्य कुलानुशासक प्रो. दिनेश कुमार, तिलक हॉस्टल की प्रोवोस्ट डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज, गोल्डन जुबली हॉस्टल की प्रोवोस्ट डॉ. केया पांडेय, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. राकेश त्रिवेदी, हबीबुल्लाह के असिस्टेंट प्रोवोस्ट डॉ. आशीष भी मौजूद रहे।

सब उगाएं रसायनमुक्त सब्जियां

आरोग्य वाटिका कार्यक्रम से औषधीय पौधों के इस्तेमाल की जानकारी मिली। औषधीय पौधे लाभकारी हैं और गार्डन की शोभा भी बढ़ाते हैं।
- खुशी पांडेय

कूड़ा प्रबंधन विधि से रसायनमुक्त सब्जी उगाने का तरीका बेहतर है। इसे सभी को उपयोग में लाना चाहिए।
- आयुषी यादव

एनबीटी की इस मुहिम से लोगों को अच्छी जानकारी मिल रही है। पौधरोपण के साथ औषधीय पौधों के इस्तेमाल के टिप्स लोगों के काम आएंगे।
- अर्पित पटेल

औषधीय पौधों के सही इस्तेमाल का तरीका पता चला। औषधीय पौधे लगाएंगे तो कई तरह की दवाएं हमारे घर में ही मौजूद रहेंगी।
- आयुष चौहान

औषधीय पौधों के बारे में ऐसी जानकारियां मिलीं, जिनके बारे में आज तक पता नहीं था। ऐसे कार्यक्रम से ही लोग जागरूक होंगे।
- वंदना गुप्ता

एनबीटी आरोग्य वाटिका कार्यक्रम बेहद ज्ञानवर्धक रहा। औषधीय पौधों के बारे में काफी जानकारी मिली। इस बारे में दूसरों को भी बताऊंगा।
- राकेश पटेल

वैज्ञानिकों ने औषधीय पौधों के गुणों के बारे में जो जानकारी दी है, वह बहुत अच्छी है। स्कूल और कॉलेजों में ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिए।
- ज्योति सिंह

कार्यक्रम में गिलोय, लेमनग्रास, तुलसी और एलोवेरा जैसे पौधे के इस्तेमाल का तरीका पता चला। घरेलू कचरे से खाद बनाने के बारे में भी सीखा।
- प्रियेश विश्वकर्मा

आरोग्य वाटिका से हमें अंग्रेजी दवाओं से छुटकारा मिलेगा। कार्यक्रम में औषधीय पौधों के बारे में काफी कुछ पता चला।
- मानसी पांडेय

औषधीय पौधे हमारे लिए कितना उपयोगी है, यह हम सभी ने कोरोना काल में देखा है। हमें स्वयं के साथ ही दूसरों को भी जागरूक करना होगा।
- अमित यादव

छात्राओं ने रोपे पौधे

वीसी ने रखी बात

एलयू में बदलाव की बयार | एलयू में पहली बार बॉयज हॉस्टल में छात्राओं ने किसी कार्यक्रम में हिस्सा लिया

छात्राओं के लिए छोड़ दी कुर्सी, चाय-बिस्किट लेकर आवभगत में जुटे छात्र

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

एलयू में बदलाव की बयार इस कदर बह रही है कि छात्रों के हॉस्टल में हो रहे आयोजन में कई गर्ल्स हॉस्टल की छात्राएं बड़ी संख्या पहुंचीं। हॉस्टल में आ रही छात्राओं को देखते ही हॉस्टल के छात्र कुर्सियां छोड़कर किनारे खड़े हो गए। छात्राएं बैठीं तो मेजबान की जिम्मेदारी समझते हुए हॉस्टल के छात्र खुद हाथों में केतली और ट्रे लेकर चाय-बिस्किट परोसने लगे। एलयू वीसी पहुंचे तो उनके साथ छात्र-छात्राओं ने ग्रुप फोटो करवाई और इसके बाद छात्राओं ने बॉयज हॉस्टल में तुलसी समेत कई औषधीय पौधे रोपे। छात्रों ने गीत गाया और आयोजन के बाद सभी को विदा किया। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. नलिनी पांडेय ने इसे नए साल में बदलाव की नई इबारत बताते हुए कहा कि एलयू के इतिहास में यह पहला मौका है, जब बॉयज हॉस्टल में छात्राओं ने किसी कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

एलयू मे बदलाव की यह तस्वीर आरोग्यम अभियान के तहत हबीबुल्लाह हॉस्टल में आरोग्य वाटिका के दौरान दिखी। एलयू के सबसे बड़े हॉस्टलों में शुमार हबीबुल्लाह हॉस्टल इस बदलाव का गवाह बना। कुछ साल पहले तक एलयू में होने वाली हर छोटी-बड़ी मारपीट और अराजकता के पीछे हबीबुल्लाह हॉस्टल के छात्रों का नाम आता था। इसे लेकर प्रॉक्टोरियल बोर्ड से लेकर पुलिस तक यहां के छात्रों पर नजर रखती थी। हॉस्टल इस कदर कुख्यात था कि इसके भीतर आना तो दूर, छात्राएं इसके आसपास से गुजरने में भी परहेज करती थीं। इस बीच एलयू प्रशासन, हॉस्टल प्रोवोस्ट और शिक्षकों के लगातार प्रयासों का नतीजा हुआ कि यहां रहने वाले छात्रों में न सिर्फ अनुशासन सीखा, बल्कि विवि के इमेज को लेकर काफी संजीदा भी दिखने लगे। बॉयज हॉस्टल में एनबीटी आरोग्य वाटिका कार्यक्रम में छात्राओं की मौजूदगी को खुद वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने भी सराहा। उन्होंने हॉस्टल के छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि किसी समय में एलयू में छात्राएं खुद को सुरक्षित नहीं महसूस करती थीं और आज छात्राएं बॉयज हॉस्टल में आईं तो छात्रों ने कुर्सियां खाली कर दीं। यह समाज में हो रहे बदलाव का प्रतिबिंब हैं।

" ये बदलते विवि के बदले स्टूडेंट्स हैं। एलयू से जुड़ी तमाम पुरानी धारणाओं को छात्रों ने अपने अनुशासन के जरिए तोड़ा है। कुछ लोगों ने कहा कि किसी जमाने में एलयू में छात्राएं खुद को सुरक्षित नहीं समझती थीं और अब यह हाल है कि छात्राएं बॉयज हॉस्टल में आईं तो छात्रों ने कुर्सियां छोड़ दीं। विवि के स्टूडेंट्स आपस के तमाम भेद भुलाकर समाज के दीर्घकालिक हित का प्रयोजन बन रहे हैं।

प्रो. आलोक कुमार राय, वीसी, एलयू

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

बीटेक, बीसीए की सेमेस्टर परीक्षाएं शुरू

लविवि : फीस जमा नहीं करने वाले छात्रों को परीक्षा से रोका, कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार हुई परीक्षाएं

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय की बीटेक, बीसीए व एमसीए की सेमेस्टर परीक्षाएं शनिवार से शुरू हुईं। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच विद्यार्थियों को कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया गया और सीटिंग प्लान भी उसी के अनुसार बनाया गया था। वहीं, फीस जमा न करने वाले कुछ विद्यार्थियों को परीक्षा से रोका भी गया।

पहली पाली में सुबह 09 से 12 बजे तक बीटेक तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा हुई। इसमें लगभग 375 विद्यार्थी शामिल हुए। कई बार के अवसर देने के बाद भी कुछ विद्यार्थियों ने एक, किसी ने दो सेमेस्टर की फीस नहीं जमा की थी। जिसकी वजह से उन्हें परीक्षा में शामिल होने से रोका गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक बार फिर 05 जनवरी तक प्रवेश शुल्क जमा करने की तिथि बढ़ाई है। इसके बाद भी काफी विद्यार्थियों नें शुल्क जमा नहीं कराया। समन्वयक इंजीनियरिंग संकाय प्रो. आरएस गुप्ता ने बताया कि दूसरी पाली में दोपहर 02 से शाम 05 बजे तक एमसीए व बीसीए पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं हुईं। इसमें विवि केंद्र पर लगभग 164 विद्यार्थी शामिल हुए, जबकि बीसीए के लिए लखनऊ पब्लिक कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज गोमती नगर, सीडी गर्ल्स डिग्री कॉलेज व एसकेडी एकेडमी वृंदावन योजना भी केंद्र बनाए गए थे। इन केंद्रों पर 19 कॉलेजों के विद्यार्थी शामिल हुए।

लखनऊ विश्वविद्यालय के न्यू कैम्पस में शनिवार को परीक्षा देकर बाहर आते विद्यार्थी। - संवाद

नेशनल पीजी कॉलेज में प्रवेश पत्र जारी

नेशनल पीजी कॉलेज की बीए, बीएससी, बीकॉम की सेमेस्टर परीक्षाएं 5 जनवरी से शुरू हो रही है। इसके लिए शनिवार को प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए। विद्यार्थी अपनी लॉगिन से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। बता दें कि कॉलेज ने पूर्व में ही घोषित कर दिया है कि बिना कोविड वैक्सीनेशन प्रमाण पत्र के विद्यार्थी परीक्षा में शामिल नहीं हो सकेंगे। कॉलेज प्रशासन ने विद्यार्थियों की मांग पर 17 व 19 जनवरी को होने वाली बीकॉम पांचवें व तीसरे सेमेस्टर के परीक्षा कार्यक्रम में आंशिक बदलाव किया है। इसकी जानकारी भी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

सेलेक्शन ट्रायल 5 को

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में ऑल इंडिया/नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी गेम्स 2021-22 के लिए एथलेक्टिस की पुरुष व महिला टीम का सेलेक्शन ट्रायल पांच जनवरी को होगा। विवि क्रीड़ा परिषद के महासचिव डॉ. देश दीपक ने बताया कि ट्रायल सुबह 9 बजे से विवि स्थित पवेलियन ग्राउंड पर किया जाएगा। इसके लिए विद्यार्थी पहले से रजिस्ट्रेशन करवा लें। साथ ही दो पासपोर्ट साइज फोटो व अन्य आवश्यक दस्तावेज साथ लेकर आएं। (माई सिटी रिपोर्टर)

छात्र कल्याण निधि के आवेदन छह तक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने छुट्टियों के कारण बंद चल रहे विश्वविद्यालय को देखते हुए छात्र कल्याण निधि व कर्मयोगी योजना के आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 6 जनवरी तक बढ़ा दी है। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि पात्र विद्यार्थी डीन, हेड, निदेशक के माध्यम से आवश्यक दस्तावेज के साथ आवेदन कर सकते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

JAGRAN CITY PAGE III

परीक्षाएं शुरू, फीस जमा न करने वालों को रोका

बीटेक-बीसीए

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के बीटेक, बीसीए और एमसीए पाठ्यक्रम की विषम सेमेस्टर परीक्षाएं शनिवार से शुरू हो गईं। केंद्रों पर परीक्षार्थियों को कोविड प्रोटोकाल के अनुसार प्रवेश दिया गया। इस दौरान सेमेस्टर फीस न जमा करने वाले बीटेक तृतीय सेमेस्टर के चार विद्यार्थियों को परीक्षा में शामिल होने से रोक दिया गया।

पहले दिन बीटेक तीसरे सेमेस्टर, एमसीए पांचवें सेमेस्टर और बीसीए पांचवें सेमेस्टर के अलग-अलग विषयों की परीक्षाएं हुईं। इनमें बीटेक तीसरे सेमेस्टर में मैथमेटिक्स-3, एमसीए पांचवें सेमेस्टर में सिस्टम एनालिसिस एंड डिजाइन और बीसीए पांचवें सेमेस्टर में डाटा कम्युनिकेशन एंड कंप्यूटर नेटवर्क विषय शामिल थे। नवीन परिसर स्थित इंजीनियरिंग संकाय के परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों को मास्क के साथ ही अंदर जाने दिया गया। कमरों में भी शारीरिक दूरी के अनुसार बैठाया गया। जांच के दौरान कई छात्र-छात्राएं मोबाइल व बैग लेकर पहुंच गए थे। ड्यूटी पर तैनात शिक्षकों ने दोनों चीजें कमरे के बाहर रखवा दीं।

लवि के इंजीनियरिंग संकाय में बीटेक की सेमेस्टर परीक्षाएं देते विद्यार्थी ● सौ. विश्वविद्यालय

कई बार दिया मौका, फिर भी नहीं जमा की फीस : सुबह की पाली में बीटेक तृतीय सेमेस्टर के अन्य छात्र-छात्राओं के साथ-साथ चार ऐसे छात्र भी शामिल रहे, जिन्होंने अब तक फीस नहीं जमा की। जब वह विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में परीक्षा देने पहुंचे तो उन्हें रोक दिया गया। इंजीनियरिंग संकाय के कोआर्डिनेटर प्रो. आरएस गुप्ता का कहना है कि कई बार मौका दिए जाने के बावजूद बीटेक तृतीय सेमेस्टर के चार छात्रों ने फीस नहीं जमा की थी। यहां बीटेक में 377 व बीसीए, एमसीए में 164 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नेशनल पीजी कालेज : दो दिन परीक्षा का समय बदला

नेशनल पीजी कालेज ने 17 व 19 जनवरी को होने वाली बीकाम की सेमेस्टर परीक्षा के समय में बदलाव किया है। प्रवेश एवं परीक्षा समन्वयक डा. राकेश जैन ने बताया कि 17 व 19 जनवरी को बीकाम पांचवें सेमेस्टर की जो परीक्षा शाम की पाली में थी, अब वह उसी दिन सुबह की पाली में होगी। वहीं, बीकाम तृतीय सेमेस्टर की सुबह की पाली में होने वाली परीक्षा शाम की पाली में होगी। उन्होंने बताया कि पांचवें सेमेस्टर के कुछ छात्र-छात्राओं ने ओ लेवल के पेपर उसी दिन होने की वजह से समय बदलने की मांग की थी, इसलिए बदलाव करते हुए संशोधित कार्यक्रम कालेज की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। इसके अलावा स्नातक सेमेस्टर परीक्षाओं के प्रवेश पत्र भी जारी कर दिए गए हैं।

AMRIT VICHAR PAGE 5

विश्वविद्यालय में सेमेस्टर परीक्षाएं शुरू

आयोजन

- बीटेक, बीसीए व एमसीए के छात्रों ने दी परीक्षा
- कुलपति ने परखा कोविड प्रोटोकाल

अमृत विचार, लखनऊ

लविवि के इंजीनियरिंग संकाय में संचालित बीटेक बीसीए और एमसीए पाठ्यक्रम की विषम सेमेस्टर परीक्षाएं शनिवार को शुरू हो गईं। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों को कोविड प्रोटोकाल के अनुसार प्रवेश दिया गया। हालांकि फीस जमा न करने वालों को प्रवेश नहीं दिया गया।

वहीं दूसरी ओर कोरोना को देखते हुए कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने खुद कोविड प्रोटोकाल को भी परखा। बीसीए की परीक्षा चार केंद्रों पर शुरू हुई जिसमें विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग संकाय नवीन परिसर, लखनऊ पब्लिक कालेज आफ प्रोफेशनल स्टडीज गोमती नगर, सीडी गर्ल्स डिग्री कालेज फैजाबाद रोड और एसकेडी एकेडमी वृंदावन योजना रायबरेली रोड शामिल है। इन केंद्रों पर लविवि सहित 19 कालेजों के छात्र-छात्राएं परीक्षा दे रहे हैं। शनिवार को बीटेक तीसरे सेमेस्टर में मैथमैटिक्स-3, एमसीए पांचवे सेमेस्टर में सिस्टम एनालिसिस एंड डिजाइन और बीसीए पांचवे सेमेस्टर में डाटा कम्यूनिकेशन एंड कंप्यूटर नेटवर्क विषय की परीक्षा शुरू हुई।

परीक्षा केंद्र में प्रवेश के दौरान प्रवेश पत्र की जांच करतीं हुई कक्ष निरीक्षक। फोटो : अमृत विचार

नेशनल में प्रवेश पत्र जारी

नेशनल पीजी कालेज में स्नातक की दिसंबर-2021 की सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए प्रवेश पत्र शनिवार को जारी कर दिए गये। प्रवेश एवं परीक्षा समन्वयक डा. राकेश जैन ने बताया कि स्नातक तीसरे, पांचवे सेमेस्टर में बीए और बीएससी की परीक्षाएं पांच जनवरी से शुरू होंगी।

फीस नहीं थी जमा परीक्षा देने से रोका: इंजीनियरिंग संकाय के कोआर्डिनेटर प्रोफेसर आरएस गुप्ता का कहना है कि कई बार मौका दिए जाने के बावजूद भी बीटेक तृतीय सेमेस्टर के चार छात्रों ने फीस नहीं जमा किया था, इसलिए उन्हें परीक्षा में शामिल होने से रोक दिया गया है।